Data ____
Page ____

❋ विभिन्न स्तरों पर पाठ्यचर्या कि दृष्टि -

(1) राष्ट्रीय स्तर — National Level

(2) राज्य स्तर — State Level

(3) विद्यालय स्तर व कक्षा स्तर — School "OR" Class Level

स्कूल निर्देशित शिक्षा का स्थान होता है। लेकिन ज्ञान सृजन में निरंतरता होती है। अतः वह विद्यालय के बाहर भी होता रहता है। प्रायः यह देखा गया है, कि शिक्षक संगठन और संस्थाएँ स्कूली शिक्षा के अंतर्गत पाठ्यचर्या विकास में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। 20 वीं शताब्दी में पाठ्यक्रम निर्माण के प्रयास शुरू हुए। इसी क्रम में शिक्षा विद् के साथ-साथ शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक, जन समाज (Public किसी भी व्यक्ति), विषय-विशेषज्ञ, समाज शास्त्री, मनोवैज्ञानिक आदि को सम्मिलित किया गया। विद्यालय में जब शिक्षक व शिक्षार्थी औपचारिक एवम् अनऔपचारिक रूप में अंतः क्रिया करते हैं। अतः विद्यालय एवम् कक्षा का वातावरण इस प्रकार व्यवस्थित हो, कि ज्ञान का सृजन हो सके।

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर पाठ्यचर्या कल्पना —

राष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था संपूर्ण देश के लिए एक राष्ट्रीय शिक्षा क्रम के ढाँचे पर आधारित होगी, जिसमें लचीला-पन रहेगा जिन्हें स्थानिय पर्यावरण तथा परिवेश के अनुसार ढाला जा सकेगा। राष्ट्रीय मूल्यों को पाठ्यक्रम में अनिवार्य रूप से सम्मिलित करना होगा। समानता के उद्देश्य को साकार करने के लिए शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराना होगा विशेषकर हाशिए पर खड़े लोग तथा लड़कियों के लिए यह मुमकिन होना चाहिए कि वे अपने अधिकारों का दावा कर सकें।

वर्तमान संदर्भ में कुछ नए बदलाव पाठ्यचर्या में संबोधित करना चाहिए जिसमें महत्वपूर्ण है स्कूल से बच्चे को जोड़ना तथा वहाँ टिकाए रखना। सार्वभौमिक प्रारंभिक शिक्षा हमें इस बात से अवगत कराती है कि पाठ्यचर्या में विस्तार करके उसमें ज्ञान, कौशल एवम् शिल्प कि विभिन्न परम्पराओं कि समृद्ध विरासत को शामिल करना भी आवश्यक है।

Scanned with CamScanner

Date ____
Page ____

राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर पाठ्यचर्या संगठन संबंधी कुछ विशिष्ट भारतीय प्रयोग —

आधुनिक भारत का निर्माण करने में जिन विचारकों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा उनमें "स्वामी दयानंद" "स्वामी विवेकानंद" मदन मोहन मालवीय, रवींद्र नाथ टैगोर एवम् महात्मा गाँधी का नाम उल्लेखनीय है। इन विचारकों के शैक्षिक दर्शन पर हम संक्षिप्त विचार करेंगे —

(1) गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर :—

शांति निकेतन (विश्व भारती)

गुरु देव रवींद्र नाथ टैगोर का जन्म महर्षि देवेन्द्र नाथ के घर 6 May 1861 ई० को हुआ था। समृद्ध परिवार में जन्म लेने के कारण टैगोर को उच्च शिक्षा के साथ उच्च कोटि के संस्कार प्राप्त हुआ। अपनी अनुपम उपलब्धी से भारत के मस्तक ऊँचा करके 1941 में वह इस संसार को छोड़ दिया।

बोलपुर नामक रमणीय स्थान 1901 ई० में शिक्षा साहित्य के उद्देश्य

Scanned with CamScanner

Date
Page

(*) According to Tagore what is "Curriculum"?

"Tagore" के अनुसार पाठ्यक्रम इतना व्यापक होना चाहिए कि बालक के जीवन के सभी पक्षों का विकास होना चाहिए। विश्व-भारती में वैदिक साहित्य, पाश्चात्य साहित्य, विभिन्न भारतीय एवम् विदेशी भाषाएँ, संगीत, नृत्य, चित्र-कला, शिल्प, अनुसंधान केंद्र आदि शैक्षिक ~~संस्थाओं~~ व्यवस्थाओं के पाठ्य-क्रम संचालित किए जाते हैं।

(*) शांति निकेतन

शांति निकेतन कोलकाता से लगभग 100 Km है जो अपनी जो अपनी प्राकृतिक छवि कि अनुभूति आज भी कराता है। शांति-निकेतन गुरु-गृह के आश्रम के रूप में प्रारंभ किया गया था। ~~~~ प्राचीन आश्रम प्रणाली कि शांति वृक्षों कि छाया में नीचे बैठ-कर छात्र गुरु से शिक्षा ग्रहण करते थे। परंतु अब वैसा कृत्रिमता का बोल-बाला है।

मुनीम.